केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए :

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २

रविवार, ६ मार्च, २०२२ | समय : दोपहर २.०० से ४.१५ | कुल गुण : ७५

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (५)	
	३ (६)	
	४ (८)	
	५ (५)	
	६ (५)	
	विभाग-१, कुल गुण (३८)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (५)	
	९ (६)	
	१० (६)	
	११ (५)	
	१२ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (३७)	

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है। उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी। **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी। पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी। **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें। **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें। पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है। **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है। अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है। **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा। **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन!!! परिणाम नहीं मिलेगा!!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम	प्र - २ गुण - ५		नाम

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''जो बालक तूने कंधे पर उलटा लटका रखा है! यह कितनी जोर से रोए जा रहा है?''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

२. ''महाराज आपको बुला रहें हैं।''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

३. ''इस समय तो मेरे इष्टदेव स्वामिनारायण ऐसे भगवान हैं।''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. समाधि से जाग्रत होने पर नथु भट्ट ने महाराज से क्या कहा? गुण : १

.....

.....

२. श्रीजीमहाराज द्वारा त्यागियों-साधुओं को नियम-पालन की आज्ञा कौन से ग्रंथो में दी गई हैं? गुण : १

.....

.....

३. साधुओं को पीटने की बात सुनकर दोनों काठी भाईयों ने क्या कहा? गुण : १

.....

.....

४. सत्संग का प्रचार करने के लिए स्वरूपानन्द स्वामी कहाँ तक गए थे? गुण : १

.....

.....

५. ज्ञान क्या हैं? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ६		नाम	प्र - ४ गुण - ८		नाम

प्र. ३ निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. शास्त्रीजी महाराज ने गढ़पुर में टीले के ऊपर मंदिर का निर्माण किया।

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. कड़वीबाई की हत्या करने के लिए आए हुए ब्राह्मण भाग गए।

.....

.....

.....

..... गुण : २

३. धर्म विषयक कार्य तुरन्त करना चाहिए।

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. वादी हराव्या .....

.....

..... सर्वोपरी महाराज। गुण : २

२. पड्युं मारे .....

.....

..... खरचे नाणुं रे। गुण : २

३. विधिशंभुमुखै .....

.....

..... भजे सदा॥ गुण : २

४. धर्मो ज्ञेयः ..... भक्तिश्च माधवे ॥ श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम

प्र. ५ 'कुसंग' - प्रसंग पर १५ पंक्ति में संक्षिप्त नोंद लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ५		नाम

प्र. ६ 'जैसे गाय बछड़े.....' - 'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए। (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम	प्र - ८ गुण - ५		नाम

विभाग - २ : प्रागजी भक्त

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''यदि तुम उतना खाओगे जितना मैं खिलाना चाहता हूँ, तो मैं तुम्हारी आज्ञा में रहूँगा।''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

२. ''अब तो अक्षरधाम में महाराज की ओर या जूनागढ़ के योगी की ओर दृष्टि होनी चाहिए।''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

३. ''मुझे समझाने वाला तू कौन है?''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. प्रागजी भक्त गुणातीतानन्द स्वामी के भक्त क्यों बन गए? गुण : १

.....

.....

२. भगतजी महाराज ने किसको गुरुपद पर आसीन किया? गुण : १

.....

.....

३. हुताशनी उत्सव के अवसर पर स्वामीने प्रागजी भक्त को प्रसाद में क्या दिया? गुण : १

.....

.....

४. गढ़डा में कोठारी ने भगतजी पर क्या प्रतिबंध लगा दिया था? गुण : १

.....

.....

५. यज्ञपुरुषदासजी प्रतिदिन महेमदाबाद स्टेशन क्यों जाते थे? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ६		नाम	प्र - १० गुण - ६		नाम

प्र. ९ निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. प्रागजी भक्त को साक्षात्कार हुआ।

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. खांभड़ा में गुणातीतानन्द स्वामी ने रोटियाँ मंगवाई।

.....

.....

.....

..... गुण : २

३. आचार्य महाराज और संतो की स्वामी को फटकारने की लालसा मन में ही रह गई।

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए चोरस कोष्टक में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्पो के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. वांसदा के दीवान के साथ सत्संग गुण : २

(१) ☐ अमीन नाथभाई झवेरभाई (२) ☐ बिलीमोरा होते हुए वांसदा पधारे

(३) ☐ अनादि छः तत्त्व (४) ☐ कौए की तरह सोना चाहिए

२. प्रागजी भक्त ने स्वामी से क्या माँगा ? गुण : २

(१) ☐ अपनी भक्ति दो (२) ☐ महाराज के दर्शन करवाओ

(३) ☐ अपना धाम के दर्शन करवाओ (४) ☐ मुझे सच्चा सत्संगी बनाओ

३. यज्ञपुरषदासजी ने भगतजी के वैराग्य की प्रतीति करवाई गुण : २

(१) ☐ दूसरी कोई चिन्ता नहीं रखते

(२) ☐ कोठारी कि आज्ञा पर सब कुछ छोड़ देते

(३) ☐ उसी क्षण सब त्याग देंगे

(४) ☐ वह इनके जैसा निःस्पृही हो जाता है

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ५		नाम

प्र.११ निम्नलिखित किसी भी <u>एक</u> प्रसंग पर १५ पंक्ति में संक्षिप्त नोंद लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. भगतजी का मनमोहक व्यक्तित्व : गणपतभाई की रक्षा

२. मुझे स्वामिनारायण ने धारण कर रखा है

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ६		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। (कुल गुण : ६)
सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **शास्त्री यज्ञपुरुषदासजी ने भगतजी को गुरु स्वीकार किया :** एक बार यज्ञपुरुषदासजी आणंद में मन्दिर जा रहे थे। साथ में एक पटेल भक्त था। गली संकरी थी, एक ब्राह्मण महिला भी सामने से उस रास्ते से गुजर रही थी।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान :** तुम जागा भक्त को नहीं जानते। उन्होंने गोपालानन्द स्वामी की अत्यधिक सेवा कर उनकी ऐसी अमित कृपा पाई है कि यदि हम उन्हें रजत के सिंहासन पर बैठा कर उनकी आरती-पूजा रजत दीपक से करें तो वह भी कम है।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **अक्षर के ज्ञान का उद्‌घोष :** एक बार जागा स्वामी ने पूना के कला भगत को महाराज की महिमा समझाई। सुनकर कला भगत को इतना क्रोध आया कि उन्होंने नरसिंह को चाँटा मार दिया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **अब मैं प्रागजी द्वारा प्रगट रहूँगा :** जूनागढ़ से निकलकर लोज, मांगरोळ, जेतपुर और भावनगर गए। भावनगर के महाराजा ने विशेष निमंत्रण देकर बुलवाया। राज-प्रासाद में उनका भव्य स्वागत किया गया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **ऐश्वर्य दर्शन :** अपने हाथ की करोगे तो सफल नहीं हो सकोगे। अब मैं आज्ञा देता हूँ, पुन: जाओ और श्रीकृष्ण द्वारा स्थापित महादेवजी की मूर्ति पर दूध चढ़ाओ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **शिष्य की योग्यता की परीक्षा :** केशव नाम का एक नाई था, वह गढ़डा के मन्दिर के हरिभक्तों की क्षौर क्रिया किया करता था। उसने प्रति व्यक्ति दो पैसे का भाव बढ़ा दिया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**